Roll No.
रोल नं.

Series SHC/2

Code No. / कोड नं. 2/2/1

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 20 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

हिन्दी (केन्द्रिक)
HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours — *Maximum Marks: 100*

1. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5

एक मेषमाता ही
रहती है निर्निमेष —
दुर्बल वह —
छिनती संतान जब,
जन्म पर अपने अभिशप्त
तप्त आँसू बहाती है।
किंतु क्या ?
योग्य जन जीता है,
पश्चिम की उक्ति नहीं,
गीता है, गीता है।

अथवा

वायु तुम्हारी उज्ज्वल गाथा
सूर्य तुम्हारा रथ है,
बीहड़ काँटों भरा कीचमय
एक तुम्हारा पथ है।

यह शासन, यह कला, तपस्या
तुझे कभी मत भूलें।
ये अनाज की पूलें
तेरे काँधे झूलें !

2. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं ***दो*** का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : 3+3=6

(क) क्या कहते हो ? किसी तरह भी
भूलूँ और भुलाने दूँ ?
गत जीवन को तरल मेघ-सा
स्मृति-नभ में मिट जाने दूँ ?

(ख) पुहुप मध्य ज्यौं बास बसत है मुकुर माँहि जस छाँई।
तैसे ही हरि बसै निरंतर घट ही खोजो भाई।।
बाहर भीतर एकै जानौ यह गुरु ज्ञान बताई।
भन 'नानक' बिन आपा चीन्हे मिटे न भ्रम की काई।।

(ग) एक दिन तने ने भी कहा था,
जड़ ?
जड़ तो जड़ ही है;
जीवन में सदा डरी रही है,
और यही है उसका सारा इतिहास
कि ज़मीन में मुँह गड़ाए पड़ी रही है;

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 2+2=4

(क) केदारनाथ अग्रवाल की कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि नारी 'वीरांगना' कब बन जाती है।

(ख) 'मैं और मेरा पिट्ठू' कविता में चित्रित जीवन की विडंबनाओं का उल्लेख अपने शब्दों में कीजिए।

(ग) 'आदमी का अनुपात' कविता का संदेश अपने शब्दों में लिखिए।

4. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2=6

भाषा की दीवार के टूटते ही एक उत्तर भारतीय और एक दक्षिण भारतीय के बीच कोई भी भेद नहीं रह जाता और वे आपस में एक-दूसरे के बहुत क़रीब आ जाते हैं। असल में, भाषा की दीवार के आर-पार बैठे हुए भी वे एक ही हैं। वे एक धर्म के अनुयायी और संस्कृति की एक ही विरासत के भागीदार हैं, उन्होंने देश की आज़ादी के लिए एक होकर लड़ाई लड़ी और आज उनकी पार्लियामेंट और शासन-विधान भी एक है।

(क) 'भाषा की दीवार' कथन का क्या तात्पर्य है ?

(ख) भाषा की दीवार टूटने से एकता कैसे दिखाई पड़ती है ?

(ग) उत्तर और दक्षिण भारत की एकता के और क्या-क्या आधार हैं ?

अथवा

जीवन में देह है, जीवन में आत्मा है। देह है नाशशील और आत्मा है शाश्वत, तो आत्मा को हिलना-झुकना नहीं है और देह को निरंतर हिलना-झुकना ही है; नहीं तो हम हो जाएँगे रामलीला के रावण की तरह, जो बाँस की खपच्चियों पर खड़ा रहता है - न हिलता है, न झुकता है। हमारे विचार लचीले हों, परिस्थितियों के साथ वे समन्वय साधते चलें, पर हमारे आदर्श स्थिर हों। हमारे पैरों में जीवन के मोर्चे पर डटे रहने की भी शक्ति हो और स्वयं मुड़कर हमें उठने-बैठने-लेटने में मदद देने की भी।

(क) देह और आत्मा में क्या अंतर बताया गया है ?

(ख) कैसे लोगों की तुलना रावण से की गई है और क्यों ?

(ग) हमारा व्यक्तित्व कैसा होना चाहिए ?

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 3+3+3=9

(क) 'मेरे लिए भारतीय होने का अर्थ', पाठ के आधार पर बताइए कि सहस्र धाराओं में फूटती नर्मदा लेखक को भारतीय संस्कृति का प्रतीक क्यों लगी। आज यही प्रतीक मैला-सा क्यों लगता है ?

(ख) 'तत्सत्' कहानी में अंश और संपूर्ण के संबंध का स्पष्टीकरण किस प्रकार किया गया है ?

(ग) 'चित्र' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि साहित्य की तुलना मोर से किसने की और क्यों? आज के साहित्य के बारे में उसकी क्या धारणा है ?

(घ) 'नदी बहती रहे' पाठ में लेखक ने क्यों कहा है कि भारत की नदियाँ अब मोक्षदायिनी नहीं रहीं ? इस विषय पर अपने विचार भी लिखिए।

6. 'विविधा : भाग-2' के आधार पर किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : 2+2+2=6

(क) लेखक ने क्यों कहा कि पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर भारतीय संगीत में प्रजातंत्र पर्व के शुभारंभ के प्रतीक थे ?

(ख) फ़ौजी के प्रति पुरुषोत्तमदास टंडन के व्यवहार से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ?

(ग) थाथवली गाँव की उस महिला का पहला नाम भुलाकर लोग उसे 'अरुमुगम की माँ' नाम से क्यों पुकारने लगे ?

(घ) रवींद्रनाथ ठाकुर निवेदिता की सेवा को 'दिल की सेवा' क्यों कहते थे ?

7. 'एक पत्र' पाठ के आधार पर धर्मवीर भारती की साहित्यिक यात्रा का विवरण अपने शब्दों में दीजिए। 4

अथवा

'सत्यकिरण' एकांकी के आधार पर करुणादेवी के पारिवारिक और सामाजिक जीवन का विरोधाभास स्पष्ट कीजिए।

8. 'विराटा की पद्मिनी' के आधार पर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3+3=6

(क) युद्ध में देवीसिंह ने कफ़नसिंह के रूप में क्या भूमिका निभाई ?

(ख) अंत में कुमुद को क्या क़दम उठाना पड़ा और क्यों ?

(ग) राजा देवीसिंह से अपने प्रति उपेक्षा की बात नरपति से सुनकर गोमती पर क्या प्रतिक्रिया हुई ?

9. आपके विचार से 'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास का क्या उद्देश्य है ? लेखक उसके प्रतिपादन में कहाँ तक सफल हुआ है ? — तर्कसम्मत उत्तर दीजिए। 4

अथवा

उपन्यास में 'विराटा की पद्मिनी' किसे कहा गया है ? उसके चरित्र की तीन प्रमुख विशेषताओं का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।

10. निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित पदों का व्याकरणिक परिचय दीजिए : 3

तुम <u>मेरे लिए</u> एक <u>भेड़ का</u> चित्र <u>बना दो</u>।

11. निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए : 3

(क) सारे गाँव को सूचित कर दिया गया। (कर्तृवाच्य में)

(ख) कलाकार ने शंकराचार्य के लिए हंस का चित्र बनाया। (कर्मवाच्य में)

(ग) मैं दौड़ नहीं सकता। (भाववाच्य में)

12. (क) किन्हीं ***दो*** पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए : 2

चौराहा, देशभक्ति, करकमल।

(ख) किन्हीं ***दो*** पद-समूह से समस्त पद बनाइए और समास का नाम लिखिए : 2

दो या चार, लम्बा है उदर जिसका, प्रत्येक दिन।

13. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए : 3

(क) घर लौट जाते समय वर्षा होने लगी।

(ख) लगभग सौ के क़रीब श्रोता उपस्थित थे।

(ग) आप चाहो तो कल हमारे साथ चल सकते हो।

14. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) उस कोठी में तीन आँगन थे और कोठी के अंदर ही दो कुएँ थे।

(रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए) 1

(ख) मूँगा गूँगे ने अच्छे तैराक के रूप में ख्याति प्राप्त की। (अर्थ के अनुसार वाक्य-भेद बताइए) 1

(ग) घर जाते समय मैनें देखा कि दो लोग लड़ रहे थे। (मिश्र वाक्य में बदलिए) 1

(घ) फार्म जमा करने के लिए मुख्यालय में जाइए। (संकेतार्थ में बदलिए) 1

15. (क) वाक्य-विश्लेषण कीजिए : 2

तुम्हारे भाई गोपाल ने गणेश को बहुत मारा।

(ख) एक सरल वाक्य में संश्लेषण कीजिए : 2

- मकान मामा जी का था।
- मकान छोटा था।
- मकान आरामदेह था।

16. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों का वाक्य प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : 4

- पानी का पानी और दूध का दूध करना
- सफ़ाया करना
- हाथ कंगन को आरसी क्या
- आपे से बाहर होना

17. निम्नलिखित अवतरण को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इतिहास की इस अविस्मरणीय घड़ी में, जब हम अपने देश का शासन सँभाल रहे हैं, आइए, हम उन लोगों की सेवाओं और बलिदान को नतमस्तक होकर याद करें, जिनकी मेहनत और कुर्बानी से हमें आज का दिन नसीब हुआ। हम आधुनिक इतिहास के निर्माता महात्मा गाँधी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करें, जिन्होंने परीक्षा के इस वर्षों में हमें प्रेरित और निर्देशित किया और जो वर्षों का बोझ अपने कंधों पर ढोने के बावजूद अपने रास्ते से वह काम अभी भी पूरा कर रहे हैं, जिसे हासिल करना अभी बाकी है। यह निस्संदेह उल्लास का दिन है; लेकिन एक विचार है जो इस घटना की पूर्णता में खटक रहा है। भारत को ईश्वर और प्रकृति ने एक बनाया है; इसकी संस्कृति, परंपरा और सदियों का इतिहास एक रहा है। वह आज विभाजित हो चुका है और बहुत से लोग सीमा के उस पार खड़े हैं, जिन्हें इसी पार होना चाहिए था। आज वहाँ

स्थापित होने जा रहे नए शासन को हम शुभकामनाएँ देते हैं और वे भी अपने नागरिकों की खुशहाली और समृद्धि के कार्य में सफल हों। आइए, हम उम्मीद और दुआ करें कि वह दिन भी आएगा जब वे भी भारत की अनिवार्य एकता का अहसास करेंगे जिन्होंने ज़िद की और विभाजन कराया। यह एक स्वप्न लग सकता है, पर इसका साकार होना असंभव भी नहीं है।

(क) आपके विचार से भाषण का उपर्युक्त अंश किस अवसर का होगा ? आप ऐसा क्यों सोचते हैं? 1

(ख) आशय स्पष्ट कीजिए — '....बहुत से लोग सीमा के उस पार खड़े हैं, जिन्हें इसी पार होना चाहिए था।' 1

(ग) उल्लास के दिन भी कौन-सी बात खटक रही है और क्यों ? 1

(घ) किस स्वप्न के साकार होने की बात है ? आपके मत में ऐसा कैसे हो सकता है ? 1

(ङ) महात्मा गाँधी के प्रति कृतज्ञता क्यों व्यक्त की गई है ? 1

18. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हर सपने पर विश्वास करो, लो लगा चाँदनी का चंदन,
मत याद करो, मत सोचो - ज्वाला में कैसा बीता जीवन।
इस दुनिया की रीति यही - सहता है तन, बहता है मन,
सुख की अभिमानी मदिरा में जो जाग सका वह है चेतन !
इसमें तुम जाग नहीं सकते तो सेज बिछाकर मत सोओ !
यदि फूल नहीं बात सकते तो काँटे कम-से-कम मत बोओ !
पग-पग पर शोर मचाने से, मन में संकल्प नहीं जमता,
अनसुना अचीन्हा करने से संकट का वेग नहीं कमता,
संशय के सूक्ष्म कुहासे में विश्वास नहीं क्षणभर रमता,
बादल के घेरों में भी तो जय-घोष न मारुत का थमता !
यदि बढ़ न सको विश्वासों पर, साँसों में मुरदे मत ढोओ !
यदि फूल नहीं बो सकते तो, काँटे कम-से-कम मत बोओ !

(क) फूल बोने और काँटे न बोने का क्या अभिप्राय है ? 1

(ख) कवि किसे चेतन मानता है और क्यों ? 1

(ग) किस पंक्ति का आशय है — विश्वासपूर्वक आगे न बढ़ने वाले को जीना नहीं चाहिए ? 1

(घ) सुख की मदिरा क्यों कहा गया है ? 1

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए : 1

''हर सपने पर विश्वास करो, लो लगा चाँदनी का चंदन''

19. अपने विदेशी पत्र-मित्र को पत्र लिखकर किसी भारतीय त्योहार के विशेष आकर्षक बिन्दुओं को समझाते हुए उसे भारत आने का निमंत्रण दीजिए। 5

अथवा

'राजस्थान पत्रिका' जयपुर के संपादक को पत्र लिखकर सती-प्रथा के अमानवीय और असामाजिक पक्ष को उद्घाटित कीजिए।

20. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 10

(क) पर्यावरण : हमारा रक्षा-कवच

(ख) बाढ़ की विनाशलीला और उसके बाद

(ग) आतंकवाद — समस्या और समाधान

(घ) लोकतंत्र और चुनाव

(ङ) घर-परिवार में नारी की भूमिका